SAARC वीज़ा छूट योजना

[स्रोत: द हिंदू](#)

चर्चा में क्यों?

सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (CCS) ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तानी नागरिकों के लिये **दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (SAARC) वीज़ा छूट योजना (SVES)** को रद्द कर दिया है।

- यह सीमापार आतंकवाद को पाकिस्तान द्वारा लगातार दिये जा रहे समर्थन के प्रति दृढ़ कूटनीतिक प्रतिक्रिया है।

सार्क वीज़ा छूट योजना क्या है?

- **SVES**: **वर्ष 1988** में **इस्लामाबाद** में आयोजित **चौथे SAARC शिखर सम्मेलन** के निर्णय के आधार पर वर्ष 1992 में शुरू किया गया। इसे SAARC देशों के लोगों के बीच संपर्क और क्षेत्रीय सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- **उद्देश्य:** यह सदस्य देशों के कुछ व्यक्तियों को विशेष यात्रा दस्तावेज़ का उपयोग करके बिना वीज़ा के यात्रा करने की अनुमति देता है।
  - इसमें **गणमान्य व्यक्ति, न्यायाधीश, सांसद, अधिकारी, व्यवसायी, पत्रकार और खिलाड़ी** सहित 24 श्रेणियाँ शामिल हैं।
- **वैधता:** प्रत्येक SAARC सदस्य देश द्वारा अपने देश के पात्र व्यक्तियों को वीज़ा स्टिकर जारी किये जाते हैं, जो सामान्यतः **एक वर्ष के लिये वैध होते हैं** और अप्रवासन अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से उनकी समीक्षा की जाती है।
- **भारत के लिये विशेष प्रावधान:** नेपाल और भूटान के नागरिकों को भारत में प्रवेश के लिये वीज़ा की आवश्यकता नहीं है। पाकिस्तानी नागरिकों के लिये, केवल कुछ श्रेणियों के लिये ही **मल्टी-एंट्री बिज़नेस वीज़ा** की पात्रता थी, जो शुरू में एक वर्ष के लिये वैध था और 10 स्थानों तक सीमित था।
  - वर्ष 2015 में भारत ने नियमों में संशोधन किया, जिसके तहत विशेष श्रेणी के पाकिस्तानी व्यापारियों को तीन वर्ष तक के लिये वैध मल्टी-एंट्री वीज़ा की अनुमति दी गई, जो 15 निर्दिष्ट स्थानों तक सीमित था।
  - SAARC देशों में श्रीलंकाई नागरिक ई-पर्यटक वीज़ा सुविधा के लिये पात्र थे।
  - भारतीय नागरिकों को नेपाल और भूटान जाने के लिये वीज़ा की आवश्यकता नहीं होती है जबकि अन्य SAARC देश भारतीय नागरिकों को बिज़नेस वीज़ा की सुविधा प्रदान करते हैं।
- **भारत द्वारा पाकिस्तान के लिये SVES को निरस्त करना:** CCS ने अधिसूचित किया कि पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किये गए सभी SAARC वीज़ा अब अमान्य हैं तथा जो लोग इस योजना के तहत वर्तमान में भारत में हैं, उन्हें देश छोड़ना होगा।

नोट: भारत ने वर्ष 2019 में पाकिस्तान के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये, जिसमें श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर के संचालन की रूपरेखा को रेखांकित किया गया, जिससे भारतीय सिखों को पाकिस्तान में गुरुद्वारा दरबार साहिब तक वीज़ा-मुक्त तीर्थयात्रा की अनुमति प्राप्त हुई।

सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (CCS)

- **प्रधानमंत्री** की अध्यक्षता वाली CCS में वित्त, रक्षा, गृह और विदेश मंत्री शामिल होते हैं। अन्य सदस्यों में रक्षा प्रमुख और वरिष्ठ नौकरशाह शामिल हो सकते हैं।
- यह भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा ढाँचे में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है तथा **रक्षा, विधि और व्यवस्था तथा विदेशी कार्यों से संबंधित महत्त्वपूर्ण मामलों** का प्रबंधन करती है।
- CCS की पहली बैठक **वर्ष 1947-48** के **भारत-पाक युद्ध** के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में हुई थी। वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध के बाद, इसे औपचारिक संरचना दी गई और रक्षा तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये भारत की सर्वोच्च निर्णायक संस्था बनाया गया।
- CCS की बैठक **वर्ष 1971** के **भारत-पाकिस्तान युद्ध** और **1999 के IC 814 हाईजैक** (कंधार हाईजैक) जैसी क्रांतिक घटनाओं के दौरान हुई थी।

सार्क

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन

- **सदस्य :** 8
- **स्थापना:** ढाका में सार्क चार्टर पर हस्ताक्षर द्वारा (दिसंबर 1985)
- **मुख्यालय:** काठमांडू, नेपाल
- **सार्क के 9 स्थायी पर्यवेक्षक:** ऑस्ट्रेलिया, चीन, यूरोपीय संघ, इरान, जापान, दक्षिण कोरिया, मॉरीशस, म्याँमार और अमेरिका
- विश्व के क्षेत्रफल का 3%, विश्व की जनसंख्या का 21% और वैश्विक अर्थव्यवस्था का 3.8% शामिल है।
- **सार्क के अंतर्गत समझौते:** SAPTA, SAFTA, SATIS, SAARC यूनिवर्सिटी

अफगानिस्तान

- यह तेल और खनिज संपन्न मध्य एशियाई गणराज्यों के लिये **भारत का प्रवेश द्वार** है।
- अफगानिस्तान में अफगानिस्तान-भारत मैत्री बाँध (सलमा बाँध) है।
- वर्ष 2002 से 2021 तक भारत ने अफगानिस्तान में विकास सहायता में 4 बिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च किये, हाई-विजिबिलिटी प्रोजेक्ट्स जैसे राजमार्ग, अस्पताल, संसद भवन, ग्रामीण स्कूल और विद्युत ट्रांसमिशन लाइनों का निर्माण किया।
- अफगानिस्तान का आतंकवाद के लिये सुरक्षित पनाहगाह बनना भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये सीधा खतरा है।

नेपाल

- 5 भारतीय राज्यों (उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और बिहार) के साथ सीमा साझा करता है।
- भारत के अयोध्या और नेपाल के जनकपुर को जोड़ने वाली भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन।
- **प्रमुख मुद्दे:** प्रादेशिक विवाद (कालापानी, लिपियाधुरा और लिपुलेख)।
- **सैन्य अभ्यास:** सूर्य किरण (सेना)।

भूटान

- भारत भूटान का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है।
- पारस्परिक रूप से लाभकारी जलविद्युत सहयोग: मंगदेछु, खोलोंगछु, चूखा जलविद्युत परियोजनाएँ।
- ग्यालसुंग परियोजना के लिये भारत की अनुदान सहायता।
- भारत के राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क के साथ भूटान के ड्रुकरेन (DrukREN) का एकीकरण।

पाकिस्तान

- भारत-पाक राजनयिक संबंध काफी सीमित हैं और समय-समय पर संबंधों को सुधारने के प्रयास अक्सर असफल होते रहते हैं।
- पुलवामा आतंकवादी हमले (2019) के बाद भारत ने पाकिस्तान के मोस्ट फेवर्ड नेशन (MFN) का दर्जा रद्द कर दिया।
- सिंधु जल संधि 1960 को अक्सर दक्षिण एशिया में सबसे सफल अंतर्राष्ट्रीय संधियों में से एक के रूप में उद्धृत किया जाता है।
- **प्रमुख मुद्दे-**
  - सीमा पार आतंकवाद, कश्मीर मुद्दा, CPEC भारत की संप्रभुता को प्रभावित कर रहा है

बांग्लादेश

- भारत के साथ 4,096 किमी से अधिक की सबसे लंबी सीमा साझा करता है।
- दक्षिण एशिया में सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार।
- **जल बँटवारे संबंधी समझौते:** कुशियारा नदी (2022), गंगा जल संधि (1996)।
- **प्रमुख मुद्दे:** तीस्ता नदी जल विवाद।
- **सैन्य अभ्यास:** संप्रीति-X (सैन्य प्रशिक्षण), बोंगोसागर (नौसेना)।

मालदीव

- भारत मालदीव का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।
- भारत के साथ अभ्यास – एकुवेरिन, दोस्ती, एकता और ऑपरेशन शील्ड।
- एक भारतीय कंपनी द्वारा ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट मालदीव में अब तक की सबसे बड़ी इन्फ्रा परियोजना है।
- **प्रमुख मुद्दे-**
  - मालदीव चीन के मोतियों की माला में एक महत्वपूर्ण 'मोती' है।
  - मालदीव के लोग पाकिस्तान स्थित आतंकवादी गुटों की ओर बढ़ रहे हैं।
  - भारत को दबंग और बड़े भाई के रूप में पेश किया जा रहा है – 'इंडिया आउट' अभियान।

श्रीलंका

- भारत श्रीलंका का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है।
- भारत आईएमएफ में श्रीलंका के ऋण पुनर्गठन कार्यक्रम का आधिकारिक रूप से समर्थन करने वाला पहला देश है।
- **प्रमुख मुद्दा:** समुद्री सीमा पार कर रहे मछुआरे।
- **महत्वपूर्ण अभ्यास:** मित्र शक्ति (सेना), SLINEX (नौसेना)।

Drishti IAS

और पढ़ें: पहलगाम आतंकी हमला और सिंधु जल संधि का निलंबन

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. “भारत में बढ़ते हुए सीमापारीय आतंकी हमले और अनेक सदस्य-राज्यों के आंतरिक मामलों में पाकिस्तान द्वारा बढ़ता हुआ हस्तक्षेप SAARC (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) के भविष्य के लिये सहायक नहीं है।” उपयुक्त उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिये। (2016)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/saarc-visa-exemption-scheme